वागड़ संदेश

Tital Code : RAJHIN27802

जन मन की आवाज

www.wagadsandesh.com

सम्पर्क

ई-पेपर मे खबरे व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें

ई-मेल - editorwagadsandesh@gmail.com

8890633631
9309255545
6351581818

वर्ष-1 अंक-135 सागवाड़ा, शनिवार, 15 जनवरी, 2022 अवधि: हिन्दी ई-पेपर पृष्ठ-1, मूल्य-10 रु. (वार्षिक)

डूंगरपुर से अहमदाबाद के लिए रवाना हुई ट्रेन, डूंगरपुर रेलवे स्टेशन से हुआ डेमू ट्रेन का उद्घाटन

चार सांसदों व रेलवे डीआरएम ने दिखाई हरी झंडी

डूंगरपुर। डूंगरपुर से गुजरात अहमदाबाद ट्रेन शुरू होने की बाट जो रहे लोगो का लम्बा इन्तजार आज खत्म हो गया। डूंगरपुर रेलवे स्टेशन से डूंगरपुर-गुजरात के लिए डेमू ट्रेन का उदघाटन करते हुए गुजरात के लिए रवाना की गई। राज्यसभा सांसद हर्षवर्धन सिंह, बांसवाडा-डूंगरपुर सांसद कनकमल कटारा, उदयपुर सांसद अर्जुन मीणा, साबरकांठा गुजरात सांसद पीरसिंह राठौड़ और रेलवे के डीआरएम नवीन परशुराम ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पहली ट्रेन में डूंगरपुर रेलवे स्टेशन से 83 सवारी गुजरात के लिए रवाना हुई। उदयपुर-डूंगरपुर-हिम्मतनगर आमान परिवर्तन रेल परियोजना के तहत डूंगरपुर से हिम्मतनगर आमान परिवर्तन का कार्य पूरा होने व आवश्यक प्रक्रिया पूरी होने के बाद उत्तर-पश्चिम रेलवे की ओर से आज डूंगरपुर रेलवे स्टेशन से अहमदाबाद के लिए ट्रेन शुरू की गई। राज्यसभा सांसद हर्षवर्धन सिंह, बांसवाडा-डूंगरपुर सांसद कनकमल कटारा, उदयपुर सांसद अर्जुन मीणा, साबरकांठा गुजरात सांसद पीरसिंह राठौड़ और रेलवे के डीआरएम नवीन परशुराम ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। गुजरात के लिए ट्रेन सेवा शुरू होने के पहले दिन 83 सवारिया गुजरात के लिए रवाना हुई। डूंगरपुर से गुजरात के लिए शुरू हुई ये ट्रेन

रविवार को छोड़कर सप्ताह के 6 दिन चलेगी। रेलवे ने डूंगरपुर से हिम्मतनगर का किराया 50 रुपए व अहमदाबाद तक किराया।5 रुपए निर्धारित किया है। वही मिनिमम किराया 30 रुपए रखा गया है। इधर इस मौके पर उद्घाटन समारोह आयोजित हुआ। इस दौरान डीआरएम नवीन परशुराम ने कहा की आमान परिवर्तन के लिए करीब 5 साल पहले लाइन बंद हुई थी। आज डूंगरपुर-हिम्मत नगर तक पहली गाडी का शुभारंभ किया गया है। आमान परिवर्तन में अभी डूंगरपुर से उदयपुर के बीच खरवा चांदा के बीच सेक्शन बचा हुआ है। ये भी मार्च तक पूरा कर लिया जायेगा और उसके बाद और भी गाडिया बढ़ेगी। जिससे क्षेत्र का आर्थिक विकास और लोगो को मोबिलिटी के लिए आसानी होगी। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए उदयपुर सांसद अर्जुन लाल मीणा ने कहा की उदयपुर-डूंगरपुर-हिम्मतनगर आमान परिवर्तन रेल परियोजना की घोषणा वर्ष 2008 में कांग्रेस सरकार के समय में हुई थी। लेकिन इस काम को केंद्र में 2014 से मोदी सरकार आने के बाद गति मिली। वही कांग्रेस सरकार में काम में देरी के चलते 850 करोड़ की योजना 1648 करोड़ में पूरी हुई। राज्यसभा सांसद हर्षवर्धन सिंह ने संबोधित करते हुए कहा की देश के प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी का इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर है और उसी का नतीजा है की डूंगरपुर में आमान परिवर्तन का काम पूरा होकर आज से रेल शुरू हो गई है। जिसके चलते आज वागड़ के लिए खुशी का दिन है। इस मौके पर उन्होंने मोडासा-डूंगरपुर रेल सर्वे करवाने के लिए प्रयास करने की बात कही। गुजरात सांबरकाठा के सांसद दीपसिंह राठोड ने कहा की डूंगरपुर से गुजरात तक ट्रेन शुरू होने से वागड़-गुजरात का व्यापार और संस्कृति दोनों का जुड़ाव होगा। यहाँ के लोग अभी तक बसों व जीपों में ऊपर-नीचे बैठकर गुजरात जाते थे लेकिन अब ट्रेन शुरू होने से लोगो को आने-जाने में काफी फायदा मिलेगा। हालाकि उन्होंने कहा की डूंगरपुर से उदयपुर तक का काम अभी शेष है वही इस काम के पूरा होने के बाद ही आमान परिवर्तन का पूरा लाभ मिल पायेगा।

इधर बांसवाड़ा-डूंगरपुर सांसद कनकमल कटारा ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा की क्षेत्र के सांसदों के प्रयास से आज वो दिन आ ही गया। उन्होंने कहा की डूंगरपुर से गुजरात के लिए ट्रेन शुरू होने से वागड़ में खनिज के भण्डार ट्रांसपोर्टेशन में सहायता मिलेगी जिससे क्षेत्र का विकास होगा। इस मौके पर कटारा ने डूंगरपुर-बांसवाडा-रतलाम रेल परियोजना के रुके काम को लेकर राजस्थान की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा की इस परियोजना को लेकर राजस्थान व केंद्र सरकार के बीच एमओयू है।

लेकिन राजस्थान सरकार इस योजना का काम पुन: शुरू करने के लिए पैसा नहीं दे रही है उन्होंने इस सम्बन्ध में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक से बात भी की थी लेकिन उन्होंने लागत बढ़ने के चलते मना कर दिया है।

मकर संक्रांति बाद चायनीज धागों से बेजुबान पक्षियों को बचाने आगे आया सामाजिक कार्यकर्त्ता

सागवाड़ा। क्षेत्र में मकर संक्रांति पर्व बड़े धूमधाम के साथ मनाया। जहा मकर संक्रांति पर हर किसी ने पतंग उड़ाकर पर्व का आनंद लिया। वही कुछ लोगो ने प्रतिबंधित चायनीज मांझो से भी पतंगे उड़ाई जिससे इलाके के पेडो, बिजली के खंभों व बिजली के तारो पर चायनीज धागे इधर उधर लटके हुए नज़र आये। इन चायनीज धागों से कई बेजुबान पक्षी घायल हो रहे थे। घायल बेजुबानो के दर्द को भीलुडा जिला परिषद सदस्य व युथ कॉन्ग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष सागवाड़ा हरीश अहारी ने महसूस किया। अहारी के नेतृत्व में मकर संक्रांति पर्व पर चायना द्वारा निर्मित नायलॉन का धागा उपयोग में लेकर पतंगे उड़ाई उसके बाद धागा व पतंगे पेड़ो पर, विद्युत लाइनों पर एवम् खंभों पर लटकी हुई थी। जिससे कई प्राणियों व रास्ते में गुजर रहे बाइक सवारो तथा पक्षियों की जान को इन धागो से खतरा पैदा हुआ है। इसको लेकर जिला परिषद सदस्य हरीश अहारी ने एक यूनिक पहल करते हुए भीलूड़ा गांव में जहां जहां धागे अस्त वयस्त लटके हुए थे उनको वहा से हटाया गया। साथ ही चायनीज धागों से मृत व घायल पक्षियों को चिकित्सा हेतू प्रबंध किया। हरीश अहारी ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपील करते हुए कहा कि मकर संक्रांति के बाद अपने आस पास कही पर भी चायनीज धागे लटके हुए मिले उन धागों को सावधानीपूर्वक वहा से हटाये और अपने बच्चो को चायनीज मांझो को इस्तेमाल नहीं करने की सलाह दे। भीलुडा जिला परिषद सदस्य व युथ कॉन्ग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष सागवाड़ा हरीश अहारी के इन प्रयासों को लोगो ने सराहा।

डूंगरपुर में 118 नए कोरोना पॉजिटिव केस

कुल एक्टिव मरीजों की संख्या 670, संक्रमितों में सर्दी-जुकाम, खांसी-बुखार के लक्षण

डूंगरपुर। डूंगरपुर में आज 118 नए पॉजिटिव केस सामने आए हैं। कुल एक्टिव मरीजों की संख्या 670 हो गई हैं। शहर के साथ ही गांवों में भी वायरस फैलने लगा हैं। सैंपलिंग भी लगातार की जा रही हैं। मरीज केवल सामान्य सर्दी-जुकाम, खांसी या बुखार से पीड़ित है। कोई गंभीर लक्षण नजर नहीं आया है। सीएमएचओ डॉ. पंकज खांट ने बताया कि पॉजिटिव मरीज शहर के अलग-अलग कॉलोनियों से है। सागवाड़ा, सीमलवाड़ा, बिछीवाड़ा और आसपुर ब्लॉक के अलग-अलग गांवों में भी संक्रमित मिले हैं। मरीजों से फोन पर संपर्क कर स्वास्थ्य विभाग की टीम घर जाकर दवाई दे रही है। कॉन्टेक्ट और ट्रैवलिंग हिस्ट्री का भी पता लगाया जा रहा है। परिवार के सभी लोगों के स्वास्थ्य की जानकारी लेकर दवाइयां दी जा रही है। सीएमएचओ ने बताया कि अभी तक किसी भी मरीज में कोरोना के गंभीर लक्षण देखने को नहीं मिले है। सामान्य सर्दी-जुकाम, खांसी या बुखार से पीड़ित है। स्वास्थ्य टीम लगातार मॉनीटरिंग कर रही है। डूंगरपुर मेडिकल कॉलेज में 2 मरीज ही अब तक भर्ती हुए है। तीसरी लहर में अधिकतर पॉजिटिव मरीज अपने घरों पर ही इलाज ले रहे है।

राजस्थान में कड़ाके की सर्दी

जयपुर। राजस्थान में सर्दी का दौर लगातार जारी है। शनिवार सुबह प्रदेश के अधिकतर शहरों को कोहरे ने अपने आगोश में ले लिया। वहीं, शीतलहर ने आम आदमी को परेशान कर दिया। लगातार सातवें दिन जहां माउंट आबू का पारा माइनस में दर्ज किया गया। भारतीय मौसम केंद्र के वैज्ञानिकों के अनुसार जयपुर, अलवर, भरतपुर, दौसा, धौलपुर, झुंझुनू, सीकर, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर में आज कोहरा छाया रहा। वहीं, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, करौली, सीकर, चूरू, बीकानेर में शीतलहर ने आम आदमी को परेशान कर दिया। मौसम विभाग के अनुसार अगले चौबीस घंटों में तापमान शुष्क रहने की संभावना है। प्रदेश के लोगों को सर्दी से मामूली राहत मिल सकती है। माउंट आबू में 1 सप्ताह से पारा माइनस में है।

समाज की क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ समापन

सागवाड़ा। एकलव्य भील सेवा संस्थान की तरफ से आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता का शनिवार को समापन हुआ। अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष मोहनलाल भगोरा ने की। मुख्य अतिथि पूर्व अध्यक्ष पन्नालाल खाट, बदामीलाल भगोरा व शंकरलाल अहारी थे।

विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त विकास अधिकारी महेश अहारी, राकेश मकवाना पटवारी, ईश्वरलाल अहारी पटवारी व डॉ हेमंत मीणा थे। समाज के सदस्य जितेंद्र अहारी ने बताया कि टूर्नामेंट में बास्केटबॉल प्रतियोगिता के दौरान पालिया बी ने पालिया ए को पराजित कर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। 100 मीटर दौड़ में हितेश भगोरिया प्रथम, प्रशांत अहारी द्वितीय व प्रेम मईडा तृतीय रहे। भाला फेंक प्रतियोगिता में नरेश भागरिया प्रथम, विजय डामोर द्वितीय एवं दीपक मालीवाड तृतीय रहे। रस्साकस्सी प्रतियोगिता में सूवारों का डूंगरा प्रथम रही तथा वडियो का डूंगरा द्वितीय रही।

क्रिकेट प्रतियोगिता में तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम वडीयो का डूंगरा रही।

द्वितीय स्थान पर वडीयो का डूंगरा ए रही। प्रथम स्थान पर सूवारों का डूंगरा ए रही। कार्यक्रम के दौरान मैन ऑफ द मैच, मैन ऑफ द सीरीज, बेस्ट फील्डर, बेस्ट कीपर, बेस्ट बॉलर व बैट्समैन सहित कई प्रकार के इनाम दिए गए मेहमानों की तरफ से विजेता रहे खिलाड़ियों को मेडल व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

समाज के अध्यक्ष भगोरा अपने उद्बोधन में कहा कि आज बहुत खुश हुए समाज खेली और समाज जीती। इस दौरान मनोज डाबी, मांगीलाल बदामी लाल अहारी, प्रकाश अहारी, गोपाल डामोर व थावरचंद अहारी सहित समाज जन मौजूद थे।

पैदल जा रहे एक युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी, युवक की मौके पर मौत

डूंगरपुर। जिले के दोवड़ा थाना क्षेत्र के सामोता गांव में पैदल जा रहे एक युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौके पर मौत हो गई। वही अज्ञात वाहन चालक फरार हो गया। मृतक युवक चार दिन पहले ही गुजरात से अपने घर आया था। डूंगरपुर जिले के दोवड़ा थानाधिकारी कमलेश चौधरी ने बताया कि सामोता गांव निवासी हाजिया (24) पुत्र भाणजी परमार गुजरात मे मजदूरी का काम करता था। तीन साल पहले ही उसकी शादी भी हुई थी। हाजिया 4 दिन पहले संक्रांति पर अहमदाबाद से अपने घर आया था। शुक्रवार रात करीब 12 बजे हाजिया अपने एक घर से दूसरे घर जाने के लिए पैदल निकल गया। घर से करीब 200 मीटर की दूसरी पर ही किसी अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में उसके सिर, हाथ-पैर पर गंभीर चोंटे आई ओर घायल हो गया। घटना के बाद वाहन का चालक मौके से भाग गया। घटना की सूचना पर परिवार के लोग मौके पर पंहुचे, लेकिन सिर में चोंट लगने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। घटना की सूचना पर दोवड़ा थाना पुलिस मौके पर पंहुची ओर घटना की जानकारी ली।

इसके बाद पुलिस ने रात को शव को डूंगरपुर हॉस्पिटल के मोर्चरी में रखवाया। वही पुलिस ने आज सुबह जिला अस्पताल की मोर्चरी में शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द किया। इधर पुलिस ने मृतक के भाई मुकेश परमार की रिपोर्ट पर पुलिस ने केस दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है। मृतक हाजिया के 2 भाई है। वहीं मॉ रोजगार गारंटी में काम करती है, जबकि पिता भाणजी बीमार रहते है।

मकर संक्रांति पर स्कूल को 16 हजार का सहयोग

डेरिया फला स्कूल में रंग रोगन के लिए दिया आर्थिक सहयोग

खड़गदा। मकर संक्रांति पर दान पुण्य को श्रेष्ठ माना जाता है। इसी को ध्यान में रखते हुए वांदरवेड के युवाओं ने सरकारी स्कूल में रंग रोगन के लिए सहयोग किया है। दिवड़ा बड़ा के उप सरपंच हितेश पाटीदार ने बताया कि राजकीय उच्च प्राथमिक विधालय डेरिया फला में रंग रोगन किया जा रहा था। स्कूल के निरीक्षण के दौरान संस्था प्रधान जुली व्यास और स्टाफ के सदस्यों ने इसमें आर्थिक सहयोग की अपेक्षा की थी। इस पर भामाशाहों की मदद से स्कूल को मकर संक्रांति पर 16 हजार रूपये का सहयोग किया। वासु पाटीदार ने संस्था

प्रधान जुली व्यास को राशि सौंपी। स्कूल के रामनारायण श्रीमाली, जितेंद्र सुत्रधार, कविता पाटीदार और संगीता पाटीदार ने आभार जताया। संस्था प्रधान जुली व्यास ने विधालय विकास के लिए ग्रामीणों से सहयोग की अपेक्षा की है।

रात 11 बजे से सोमवार सुबह तक बाहर न निकलें

तीसरी लहर में पहला संडे कर्फ्यू आज; केस बढ़े तो 2 दिन होगा वीकेंड 'लॉकडाउन'

जयपुर। प्रदेश में थर्ड वेव की एंट्री के बाद पाबंदियां और सख्ती बढ़ा दी गई हैं। कल संडे का पहला वीकेंड कर्फ्यू है। आज रात 11 बजे से सोमवार सुबह 5 बजे तक वीकेंड कर्फ्यू की गाइडलाइन लागू हो जाएगी। इधर, कई जिलों में लगातार केस बढ़ रहे हैं। ऐसे में दावा किया जा रहा है कि अब वीकेंड कर्फ्यू दो दिन का हो सकता है। यदि ऐसा होता है तो पाबंदियां शुक्रवार रात से ही लागू होंगी। संडे को होने वाले कर्फ्यू में इमरजेंसी सेवाओं को छोड़कर सब कुछ बंद रहेगा। पेट्रोल पंप खुले रहेंगे। इसके अलावा छूट वाली कैटेगरी को छोड़कर सभी बाजार, दुकानें, शॉपिंग मॉल, जिम, क्लब बंद रहेंगे। कोरोना की तीसरी लहर में पहली बार वीकेंड कर्फ्यू लगा है। जुलाई के बाद फिर से इसकी शुरुआत की गई है। कोरोना के मामले बढ़े तो आगे और पाबंदियां लगना तय माना जा रहा है। संडे कर्फ्यू में आम जरूरत की चीजों की दुकानें खुली रहेंगी। दूध की दुकानें, डेयरी बूथ, फल-सब्जी दुकानें, किराना की दुकानें खुली रहेंगी। आम जरूरत की दुकानें रात 8 बजे तक ही खुली रहेंगी। वीकेंड कर्फ्यू के दिन प्रदेश भर के सेंचुरी और टाइगर रिजर्व और सफारी भी बंद रहेंगे। वन विभाग ने इसके आदेश जारी किए हैं। जयपुर में लेपर्ड सफारी और नाहरगढ बायोलॉजिकल पार्क बंद रहेंगे। इसके अलावा संडे कर्फ्यू में छूट की कैटेगरी बनाई है। इनमें दूध की दुकान, डेयरी बूथ, फल-सब्जी मंडी की दुकानें, किराना की दुकानें, लगातार प्रोडक्शन वाली फैक्ट्रियां, नाइट शिफ्ट वाली फैक्ट्रियां, आईटी, टेलीकॉम सेवाएं, मेडिकल दुकान, शादी समारोह, इमरजेंसी सेवाओं वाले ऑफिस, माल लाने-ले जाने वाले सभी वाहनों के साथ रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और एयरपोर्ट आने-जाने वाले यात्रियों को छूट रहेगी। वैक्सीनेशन के लिए आने-जाने वालों को छूट रहेगी।

कोरोना से फेफड़े खराब, 10 महीने इलाज के बाद मौत

कोटा। ये कोरोना से एक व्यक्ति की मौत की नहीं, एक परिवार के बिखरने की दास्तान है। एक पिता जो 6 महीने पहले जन्मी बेटी को गोद में खिलाना तो दूर उसे नजर भर देख तक नहीं सका। एक दूधमुंही बच्ची जो अब पिता को सिर्फ तस्वीरों में ही देख पाएगी और एक पत्नी जिसने 10 महीने दिन-रात पत्नी की सेवा की। शनिवार को इन तीनों की जिंदगी बिखर गई। कोटा में 10 महीने तक कोरोना से लड़ने के बाद बूंदी के हिंडोली निवासी प्रेमचंद की मौत हो गई। कोरोना के कारण युवक के फेफड़े खराब हो गए थे। इस वजह से युवक लगातार ऑक्सीजन सपोर्ट पर था। शनिवार सुबह मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल में उसकी मौत हो गई। 10 महीने से पति की सेवा में जुटी और उसके ठीक होने की कामना कर रही पत्नी मौत की खबर सुनकर बेसुध हो गई। प्रेमचंद की अप्रैल 2021 के आखिरी सप्ताह में तबीयत खराब हुई थी। मई में तबीयत ज्यादा खराब होने पर कोविड जांच करवाई। रिपोर्ट पॉजिटिव आई।

वागड़वासियों के लिए अनुपयोगी है रेल, भाजपा ने किया छलावा : खोड़निया

* डूंगरपुर-असारवा रेल सेवा शुरू होने पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने उठाएं सवाल
* डूंगरपुर-रतलाम वाया बांसवाड़ा रेल परियोजना क्यों बंद कर दी
* डूंगरपुर-अहमदाबाद रेल सेवा वागड़ अंचल के लिए नहीं है उपयोगी
* निजी बस संचालकों के दबाव में रेल संचालन का समय गलत रखा
* आने वाले समय में दो बड़े चुनाव, इसलिए जनता को फिर गुमराह कर रहे भाजपा के लोग

डूंगरपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं निवर्तमान जिलाध्यक्ष दिनेश खोड़निया ने शनिवार को बयान जारी कर डूंगरपुर-असारवा (अहमदाबाद) रेल सेवा शुरू होने पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। खोड़निया ने कहा है कि डूंगरपुर की रेल का शुभारंभ वागड़वासियों के साथ छलावा मात्र है। भाजपा की केंद्र सरकार और भाजपा के लोगों ने डूंगरपुर से असारवा तक रेल सेवा शुरू होने पर केवल झूठा श्रेय और वाहवाही बटोरने का षडयंत्र किया है। रेल सेवा किसी भी मायने में वागड़वासियों के लिए उपयोगी नहीं है। खोड़निया ने कहा कि डूंगरपुर से असारवा तक रेल सेवा निर्धारित समय में शुरू नहीं हो पाई है। डूंगरपुर से उदयपुर तक का काम अब भी अधूरा है। आने वाले समय में दो बड़े चुनाव है, ऐसे में भाजपा की केंद्र सरकार और भाजपा के लोगों ने आनन-फानन में रेल शुरू कर जनता को गुमराह करने का खेल खेला है। रेल सेवा के शुभारंभ में जुटे चार सांसदो से खोड़निया ने सवाल किए है कि तत्कालीन यूपीए सरकार में वर्ष 2011 में डूंगरपुर-रतलाम वाया बांसवाड़ा रेल परियोजना का शिलान्यास श्रीमती सोनिया गांधी द्वारा किया गया था। केंद्र की सत्ता में भाजपा के काबिज होने के बाद इस महत्वपूर्ण परियोजना को षडयंत्रपूर्वक बंद कर दिया गया। वागड़ से संसद तक प्रतिनिधित्व करने वाले सांसद जवाब दें कि वागड़ की रेल परियोजना को क्यों ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। खोड़निया ने कहा कि दोपहर में डूंगरपुर से रेल रवाना होने का समय तय किया गया है।

मध्यान्ह में रेल सेवा का वागड़ क्षेत्र के लोगों को कैसे लाभ मिलेगा। वागड़ क्षेत्र का व्यापारी और आमजन सुबह सवेरे अपने काम को लेकर गुजरात के अहमदाबाद, हिम्मतनगर जाता है और काम निपटाकर शाम तक घर लौट आता है। रेल के प्रस्थान और आगमन का समय जनउपयोगी नहीं है। खोड़निया ने बड़ा आरोप लगाया और कहा कि भाजपा नेताओं ने निजी बस ट्रावेल्स संचालको के दबाव में आकर रेल का समय दोपहर में रखवाया है।

श्रेय लेने की होड़, रेल परियोजना पर क्यों सील गए होंठ

खोड़निया ने आरोप लगाते हुए कहा कि डूंगरपुर-बांसवाड़ा की महत्वपूर्ण रेल परियोजना को भाजपा की केंद्र सरकार ने बंद कर दिया। केवल राजनीतिक द्वेषतावश इस परियोजना पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। भाजपा के स्थानीय लोग और नेता इसे लेकर केंद्र की मोदी सरकार से सवाल क्यों नहीं कर रहे।

डूंगरपुर जिले में तीन-तीन भाजपा के सांसद प्रतिनिधित्व करते है, लेकिन बड़ी परियोजना के लिए क्यूं ठोस पैरवी नहीं की जा रही। वागड़ के विकास की जीवनरेखा मानी जाने वाले परियोजना पर भाजपा नेताओं के होंठ क्यों सील गए है।

चार साल देरी से शुरू हुई रेल

खोड़निया ने कहा कि तत्कालीन यूपीए की अध्यक्षा सोनिया गांधी ने रेल परियोजना का शिलान्यास करते हुए अहमदाबाद-उदयपुर वाया डूंगरपुर आमान परिवर्तन की घोषणा की थी। आमान परिवर्तन का कार्य भी शुरू हो चुका था, लेकिन केंद्र की भाजपा सरकार ने इस काम में जानबुझकर देरी की। खोड़निया ने कहा कि वागड़ की लाईफलाईन मानी जाने वाली रेल परियोजना का गला घोंटकर भाजपा के लोग अधूरे आमान परिवर्तन पर झूठा श्रेय हथिया रहे है। उन्होंने कहा कि आमान परिवर्तन में देरी पर भाजपा जवाब दें। आमान परिवर्तन का कार्य तो चार साल पूर्व पूरा हो जाना चाहिए था। छोटी लाईन को हटाकर बड़ी लाईन डालने में भाजपा की सरकार ने चार साल बिगाड़ दिये और अब भी डूंगरपुर से उदयपुर तक का काम पूरा नहीं होना भाजपा नेताओं की कार्यशैली पर सवाल खड़ा करता है।

भाजपा के नेता जनउपयोगी समय तय कराएं

खोड़निया ने कहा कि सुबह 9.30 बजे असारवा से रवाना होकर रेल दोपहर 2 बजे डूंगरपुर पहुंचेगी और दोपहर दो बजे रवाना होकर शाम 7 बजे असारवा पहुंचेगी। आगमन और रवानगी का वक्त वागड़ के लोगों के लिए उपयोगी नहीं है। रेल का श्रेय लेने वाले भाजपा के नेताओं के चाहिए कि वागड़वासियों की भावना के अनुरूप रेल संचालन का समय इस तरह निर्धारित कराया जाएं कि यहां के लोग सुबह रवान होकर अहमदाबाद पहुंचे और वहां काम निपटा कर देर शाम तक घर लौटें। खोड़निया ने कहा कि अहमदाबाद से दो किलोमीटर पहले स्टेशन तक रेल पहुंचेगी। वागड़ के व्यक्ति को सौ रूपया देकर ऑटोरिक्शा से अहमदाबाद शहर तक जाना होगा। वागड़ के आम और गरीब व्यक्ति पर आर्थिक भार पडेगा।